नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

हिंदी के विस्तार हेतु अन्य भाषाओं का उपयोग जरूरी - प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा दि. 25 जून 2015: हिंदी को अधिक विस्तार देने के लिए सभी भारतीय भाषाओं के शब्दों का प्रयोग करना चाहिए और ऐसा करने से भाषा समृद्ध होगी। उक्त प्रतिपादन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने किया। वे विश्वविद्यालय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

भाषा विद्यापीठ के सभागार में आयोजित बैठक में विशेष कर्तव्य अधिकारी नरेंद्र सिंह, हिंदी अधिकारी राजेश यादव, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, गिरीश पांडे, बी. एस. मिरगे, राजेश अरोड़ा, बीएसएनएल के आर. पी. साठोणे, बैंक ऑफ इलाहाबाद के एम. एस. मण्डलोई, बैंक ऑफ इंडिया के संदीप लोथे, एलआईसी के प्रशांत पाडणे, यूनियन बैंक के जयेश भोयर एवं मंगल कुत्तरमारे, मध्य रेल के सुनील दुबे उपस्थित थे।

बैठक में पिछली बैठक के कार्यवृत्त, हिंदी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हिंदी में कार्य, यूनिकोड का प्रशिक्षण, पत्राचार में हिंदी का प्रयोग आदि विषयों पर चर्चा की गयी। अपने संबोधन में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि हिंदी का मानक स्वरूप अपनाकर उसका कामकाज में प्रयोग करना चाहिए। हिंदी के लिए अन्य भाषाओं के दरवाजे खोलने से ही हिंदी का और विस्तार हो सकेगा और इससे हिंदी देश की संपर्क भाषा के रूप में विकसित हो सकेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के माध्यम से एक पत्रिका प्रारंभ की जाए जिसमें वर्धा शहर स्थित सभी केंद्रीय कार्यालयों को शामिल करते हुए उनकी उपलब्धियों को समाहित किया जाए। प्रारंभ में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सचिव राजेश यादव ने बैठक की प्रस्तावना रखी तथा अंत में सभी के प्रति आभार जताया।

हिंदी विश्वविद्यालयात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितीची बैठक

हिंदीच्या विस्ताराकरिता इतर भाषांचा उपयोग करावा - प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा दि. 25 जून 2015: हिंदी भाषेचा विस्तार करण्यासाठी इतर भारतीय भाषांचा उपयोग हिंदीमध्ये वाढविला पाहिजे असे प्रतिपादन महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी केले. ते विश्वविद्यालयात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितीच्या सहमाही बैठकीत अध्यक्ष म्हणून बोलत होते.

भाषा विद्यापीठाच्या सभागृहात आयोजित बैठकीत विशेष कर्तव्य अधिकारी नरेंद्र सिंग, हिंदी अधिकारी राजेश यादव, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, गिरीश पांडे, बी. एस. मिरगे, राजेश अरोड़ा, बीएसएनएलचे आर. पी. साठोणे, बँक ऑफ अलाहाबादचे एम. एस. मण्डलोई, बँक ऑफ इंडियाचे संदीप लोथे, एलआयसीचे प्रशांत पाडणे, यूनियन बँकचे जयेश भोयर, मंगल कुत्तरमारे, मध्य रेलवेचे सुनील दुबे उपस्थित होते.